



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 516]
No. 516]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 28, 1988/आश्विन 6, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 28, 1988/ASVINA 6, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1988

अधिसूचनाएँ

सं० 265/88 सीमाशुल्क

सा.का.नि. 960(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपायद्वारा सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 6, 7, 8 या 12 के अन्तर्गत आने वाले माल का, जब उसका बोझाई या रोपण के प्रयोजनों के लिए भारत में आयात किया जाए;—

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के 15 प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त सीमाशुल्क से; छूट देती है :

परन्तु यह तब जबकि आयातकर्ता—

(i) यह घोषणा करता है कि ऐसी रोपण सामग्री केवल बोझाई या रोपण के प्रयोजनों के लिए है; और

(ii) नाशक कीट और नाशक शीघ्र अधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा 3 की उपधारा (i) के अधीन जारी किए गए वनस्पति, फल और बीज (भारत में आयात का विनियमन) प्रादेश, 1984 के खण्ड 3 की शर्त (3)(i) में विनिर्दिष्ट प्ररूप "घ" में, बोझाई या रोपण के लिए ऐसे माल के आयात का विद्यमान अनुज्ञापत्र प्रस्तुत करता है :

परन्तु यह और कि, उक्त सारणी के क्रम सं. 1 और 5 पर विनिर्दिष्ट ऐसे माल के आयात की दशा में, आयातकर्ता किसी ऐसे अधिकारी का, जो भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के उपा सचिव की पंक्ति से नीचे का न हो, इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना है कि उक्त माल आयातकर्ता द्वारा केवल बोझाई या रोपण के लिए अर्पित है और इस अधिसूचना के अधीन छूट दिए जाने की गिफारिश करता है।

सारणी

क्रम सं.	माल का वर्णन
(1)	(2)
1.	तिलहन
2.	वनस्पति, फल और शाकाहारी पौधों के बीज
3.	फलों के ट्यूबर और बल्ब
4.	फल वाले पौधों की कलमें या बालवृक्ष
5.	फलों के बीज या पौधे।

2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1988 को प्रवृत्त होगी।

[सा. सं. 354/82/88 की शर्त पर.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th September, 1988

NOTIFICATIONS

No. 265/88-Customs

G.S.R. 960 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under Chapter 6,7,8 or 12 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the purposes of sowing or planting, from :—

(a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of 15% ad valorem; and

(b) the whole of the additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, 1975 :

Provided that the importer —

- (i) gives a declaration that such planting material is for the purposes of sowing or planting only; and
- (ii) produces a valid permit for import of such goods for sowing or planting, in Form "D" specified in condition (3) (i) of clause 3 of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order 1984, issued under sub-section (1) of section 3 of the Destructive Insects and Pests Act, 1914 (2 of 1914) :

Provided further that, in the case of import of such goods specified at S. Nos. 1 and 5 of the said Table, the importer produces also a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Agriculture, to the effect that the said goods are required by the importer for sowing or planting only and recommends the grant of exemption under this notification.

THE TABLE

Sl. No.	Description of goods
(1)	(2)
1. Oil seeds.	
2. Seeds of vegetables, flowers and ornamental plants.	

1

2

3. Tubers and bulbs of flowers.
4. Cuttings or saplings of flower plants.
5. Seeds or plants of fruits.

2. This notification shall come into force on the 1st day of October, 1988.

[F. No. 354/52/88-T.R.U.]

सं. 266/88-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 961(म) — केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1988 (1988 का 26) की धारा 77 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 159/88 सीमा शुल्क तारीख 13 मई 1988 में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्रम सं. 279 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात् :

"280. सं. 265-सीमाशुल्क तारीख 28 सितम्बर 1988."

[फा. सं. 354/52/88 टी.आर.यू.]

गौतम रे, अवर सचिव

No. 266/88-Customs

G.S.R. 961 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 77 of the Finance Act, 1988 (26 of 1988), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 159/88-Customs, dated the 13th May, 1988, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 279 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

"280. No 265-Customs, dated the 28th September, 1988."

[F. No. 354/52/88 T.R.U.]

GAUTAM RAY, Under Secy.